अर्च विग्रह पूजन कार्यक्रम
हिंदी भाषा में
7 सितम्बर – 12 अक्टूबर,2024

मायापुर अकादमी द्वारा हिंदी भाषा में अर्च विग्रह पूजन कार्यक्रम 7 सितम्बर - 12 अक्टूबर,2024 को आयोजित किया जाएगा। इच्छुक छात्र पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं।
पूरा कार्यक्रम का विवरण इस प्रकार हैं:

कोर्स के विषय में:
मायापुर अकादमी में अर्चना पाठ्यक्रम छात्रों को पुरोहिती के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षित करने के लिए एक गहन शैक्षिक कार्यक्रम है।

कृष्णकृपामूर्ति श्रील ए.सी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद, (इस्कॉन-संस्थापकाचार्य) के निर्देश और शिक्षाओं पर आधारित , यह संपूर्ण कार्यक्रम किसी भी इस्कॉन मंदिर के भीतर पुजारी बनने के लिए आवश्यक उचित मनोदशा, मूल्यों, कौशल और ज्ञान पर केंद्रित है।

हमारे सभी पाठ्यक्रम आवश्यक मूल्यों पर जोर देते हैं, जो सही मनोदशा , उत्तम कौशल के साथ-साथ पारम्परिक ज्ञान की नींव पर निर्मित होती है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत दो पाठ्यक्रम है :
1 अर्च विग्रह श्रृंगार [DRESSING]
2. अर्चन [TEMPLE WORSHIP]

इस्कॉन में अर्च विग्रह पूजन और ब्राह्मण-संस्कृति के विकास की श्रील प्रभुपाद इच्छा को पूरा करने के लिए, पाठ्यक्रम को इस्कॉन अर्च विग्रह मंत्रालय द्वारा विकसित और प्रबंधित किया गया है।
यह कार्यक्रम इस्कॉन अर्च विग्रह विभाग और इस्कॉन अर्च विग्रह मंत्रालय की एक संयुक्त शैक्षिक पहल है।

कार्यक्रम अवधि: 7 सितम्बर - 12 अक्टूबर,2024

स्थान: मायापुर अकादमी, चैतन्य भवन, इस्कॉन मायापुर (भारत) का परिसर

पाठ्यक्रम शुल्क: 11,800 ₹

प्रवेश मानदंड: पाठ्यक्रम सभी दीक्षित भक्तों के लिए खुला है। जबकि ब्राह्मणवादी दीक्षा वालों को प्राथमिकता दी जाएगी, पहली दीक्षा वाले भक्त और गुरुकुल भक्त भी आवेदन कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण: पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए आवेदन फार्म भरना स्वतः ही गारंटी नहीं देता है कि भक्त को कार्यक्रम में स्वीकार किया जाएगा। स्वीकृति के संभावित छात्रों को सूचित करने से पहले हम व्यक्तिगत रूप से सभी आवेदनों पर विचार करते हैं। पाठ्यक्रम की अवधि के लिए, भक्तों को मंदिर के सुबह के कार्यक्रम में भाग लेना, 4 नियामक सिद्धांतों का पालन करना और हर दिन कम से कम 16 माला जप करना अनिवार्य है।

प्रवेश प्रक्रिया: प्रत्येक आवेदक को एक विस्तृत फॉर्म भरने की आवश्यकता होती है जिसके लिए मंदिर के अध्यक्ष या समुदाय के मान्यता प्राप्त नेता से अनुशंसा पत्र की भी आवश्यकता होती है। प्रत्येक आवेदन को व्यक्तिगत रूप से जांचा जाता है। चूंकि पाठ्यक्रम के लिए सीमित सीटें हैं और ब्राह्मण दीक्षा वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाती है, प्रत्येक आवेदक को उनके आवेदन की स्थिति के बारे में सूचित किया जाता है। यदि हमें कुछ पहलुओं के बारे में अधिक स्पष्टता की आवश्यकता है, तो आवेदक के साथ या पाठ्यक्रम के लिए सिफारिश करने वाले नेता को अलग-अलग कॉल किया जा सकता हैं। सभी स्वीकृत आवेदकों को कार्यक्रम में प्रवेश की समय सीमा से पहले शुल्क जमा करना आवश्यक है।

शिक्षक : https://mayapuracademy.org/about-us/

वैष्णव वेशभूषा: छात्रों को वैष्णव वेशभूषा में रहना आवश्यक है। पुरुषों के लिए चादर और/या कुर्ता/टी-शर्ट तथा धोती और महिलाओं के लिए साड़ी। योगी पैंट और गोपी स्कर्ट स्वीकार्य नहीं हैं।

सामान्य प्रश्न:

मायापुर अकादमी क्या है**?**

मायापुर अकादमी इस्कॉन मायापुर अर्च-विग्रह विभाग और इस्कॉन अर्च-विग्रह पूजा मंत्रालय की एक संयुक्त शैक्षिक पहल है जो छात्रों को अर्च-विग्रह पूजा के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षित करने के लिए पूरे वर्ष कई पाठ्यक्रम प्रदान करती है। सभी पाठ्यक्रम इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के निर्देशों और शिक्षाओं के आधार पर उनकी इस्कॉन के अर्च-विग्रह पूजा और आध्यात्मिक संस्कृति के विकास की इच्छा को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं|
इसका परिसर चैतन्य भवन,इस्कॉन मायापुर में स्थित है।
wअकादमी में विग्रहो के ड्रेसिंग के लिए अलग-अलग कमरे हैं जिनमें विग्रहो के सेट के साथ उनके
ड्रेसिंग के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है, आठ छह-गैस-बर्नर स्टोव के साथ एक विग्रह रसोई है, एक व्याख्यान कक्ष, और भक्ति साहित्य के एक विस्तृत संग्रह के साथ एक पुस्तकालय है।
ब्राह्मण कला सीखने के लाभों को अधिकतम करने के लिए, मायापुर अकादमी यह सुनिश्चित करती हैं कि प्रत्येक छात्र के पास एक स्वच्छ और संरचित सीखने का माहौल हो।

क्या आप इस पाठ्यक्रम के लिए अदीक्षित या सिर्फ हरिनाम दीक्षित भक्तो को स्वीकार करते हैं**?**

जबकि ब्राह्मण दीक्षा वाले भक्तों को प्राथमिकता दी जाती है, हमारे कई पाठ्यक्रम पहली बार दीक्षित और अदीक्षित भक्तों के लिए भी खोले गए हैं।
पुरुषों के लिए “संस्कार” जैसे कुछ पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए ब्राह्मण दीक्षित होना अनिवार्य है।
हालाँकि, हरिनाम दीक्षित होना या ब्राह्मण दीक्षित होना हमारे कार्यक्रमों में प्रवेश की गारंटी नहीं देता है। प्रत्येक आवेदन की व्यक्तिगत रूप से जांच की जाती है ।

मैं पूरा पाठ्यक्रम नहीं करना चाहता, क्या मैं केवल कुछ विशिष्ट कोर्स के लिए नामांकन कर सकता हूं?

हम उन छात्रों को पहली प्राथमिकता देते हैं जिन्होंने पूर्ण कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है। । यदि आप जिस व्यक्तिगत पाठ्यक्रम को करने का इरादा रखते हैं उसकी क्षमता शेष है (हमारे व्यक्तिगत पाठ्यक्रमों में से प्रत्येक की अधिकतम सीमा है), तो पहले आओ पहले पाओ के आधार पर सीटें भरी जाती हैं। इसके लिए ,हम सभी छात्रों को समय पर आवेदन करने और अंतिम क्षण की प्रतीक्षा न करने की सलाह देते हैं।

पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए नामांकन कैसे करें?

सभी आवेदन फॉर्म https://mayapurcademy.org/ पर उपलब्ध हैं। मंदिर के अध्यक्ष या समुदाय के मान्यता प्राप्त नेता से सिफारिश के एक पत्र की भी आवश्यकता होती है। प्रत्येक आवेदन को व्यक्तिगत रूप से जांचा जाता है। चूंकि पाठ्यक्रम के लिए सीमित सीटें हैं और ब्राह्मणव दीक्षा वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाती है, प्रत्येक आवेदक को उनके आवेदन की स्थिति के बारे में सूचित किया जाता है। यदि हमें कुछ पहलुओं के बारे में अधिक स्पष्टता की आवश्यकता है, तो आवेदक के साथ या पाठ्यक्रम के लिए सिफारिश करने वाले नेता के साथ अलग-अलग कॉल हो सकते हैं। सभी स्वीकृत आवेदकों को कार्यक्रम में प्रवेश की समय सीमा से पहले शुल्क जमा करना आवश्यक है।

क्या आप पाठ्यक्रम की अवधि के लिए आवास, प्रसाद प्रदान करते हैं?

नहीं, हम वह प्रदान नहीं करते हैं। यह व्यवस्था छात्रों को स्वयं करनी होगी।

अगर मुझे कोर्स बीच में छोड़ना पड़ा तो रिफंड पॉलिसी क्या है?

शुल्क की कोई वापसी नहीं होगी। इसे किसी अन्य छात्र को स्थानांतरित किया जा सकता है या आप भविष्य में पाठ्यक्रम ले सकते हैं।